

# ग्रसाधारण

### **EXTRAORDINARY**

भाग II--खण्ड 3--खप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

#### PUBLISHED BY AUTHORITY

नई विल्ली, सोमवार, जनवरी 16, 1978/पौष 26, 1899 सं 19] No. 19] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 16, 1978/PAUSA 26, 1899

## इस भाग में भिन्न पट्ट संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखाजा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

#### उद्योग मंत्रालय

(ग्रौद्योगिक विकास विमान)

#### चार्वे श

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1978

का० आ०२० (अ)/18 चख/उ०/वि० वि० ग्र/78.---केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास ग्रीर विनियमन) प्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चख की उपधारा (1) के खण्ड (क) ग्रीर (स्व) द्वारा प्रवत्त भक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मन्नालय (भौद्योगिक विकास विभाग), के भादेश सं० का० भा० 39(भ्र)/18 चख/उ० वि० वि० भ०/77 तारीख 22 जनवरी, 1977 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आवेश कहा गया है ) यह पायणा की भी कि .--

(क) श्रीशोगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947(1947 का 14), इन श्रनुकूलनों सहित कि (39)196 G1/77-- -

उक्त श्रधिनियम की धारा ५क. ग्रध्याय 5क ग्रीर 5व ग्रीर धारा ३.३ग का लोप किया जाएगा. मैसर्स बंगाल पाटरीज लिमिटेड. कलकसा के स्वामित्वाधीन दो श्रीद्योगिक उपक्रमी को लाग होगा, श्रीर

(खन) राजपन्न में उक्त आवेश के प्रकाशन की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृक्त ऐसी सभी सविदाधों, संपत्ति के इस्तान्तरण-पत्नों, करारो, व्यवस्थापनो, पंचाटो, स्थायी भादेशो या प्रन्य लिखतों का प्रवर्तन, (जनसे भिन्न जिनका संबंध बैंको ग्रीर विसीय संस्थाग्री के प्रतिभत वायित्वों से है), जिनके उक्त भीबोगिक उपक्रम पक्षकार है या ऐसे श्रीचोगिक उपक्रमो की स्वामी कम्पनी पक्षकार है या जो, यथास्थिति, उन श्रीचोगिक उपक्रमो या कम्पनी को लागू होते हों, धौर उक्त तारीख के पूर्व उनके अधीन, प्रोद्रभुत या उद्रभुत सभी या कोई ध्रधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताए, ध्रीर दायित्व निलम्बित रहेंगे;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त मादेश को एक वर्ष की श्रीर भवधि तक बढाया जाना चाहिए:

भतः, भन्न, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास भौर विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18चख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (क) भीर (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त भादेश की भवधि 21 जनवरी, 1979 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

> फा॰ सं॰ 2(19)/75-सीय्सी] जी० बी० रामकच्या, प्रवर सचिव

#### MINISTRY OF INDUSTRY

## (Department of Industrial Development)

#### ORDER

New Delhi, the 16th January, 1978

- S.O. 20(E)/18FB/IDRA/78.—Whereas by the Orde rof the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 39(E)/18FB/IDRA/77 dated the 22nd January, 1977, (herematic referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clauses (a) and (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that -
- (a) the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), shall apply to the two industrial undertakings owned by Messrs. Bengal Potteries Limited, Calcutta, with the adaptations that section 9A, Chapters VA and VB and section 33C of the said Act shall be omitted; and
- (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertakings are parties, or the company owning such industrial undertakings is a party or which may be applicable to the industrial undertakings or the company as the case may be, and all or any of the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said da'c shall remain suspended:

And, whereas, the Central Government is satisfied that the said Order should be extended for a further period of one year;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clauses (a) and (b) of sub-section (1), read with section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 21st January, 1979.

[File No. 2(19)/75-CUC]

G. V. RAMAKRISHNA, Additional Secy.